सेंसेक्स 72,012.05 ▲ -736.38
डॉलर 83.025 ▼ +0.083
तापमान (डिग्री सेल्सियस)
आज का अनुमान

	अधिकतम	न्यूनतम	(न्यूनतम)
रांची	24.0	14.0	21.0
धनबाद	25.0	17.0	28.0
जमशेदपुर	27.0	17.0	26.0
पलामू	25.0	16.0	27.0

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

डालटनगंज (मेदिनीनगर), फाल्गुन शुक्ल पक्ष 11, विक्रम संवत 2080 | डालटनगंज (मेदिनीनगर), बुधवार, 20 मार्च 2024, वर्ष-30, अंक- 153, पृष्ठ-12, मूल्य ₹3.00, रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

संपादकीय | सीता सोरेन के इस्तीफे से झामुमो की बढ़ी मुश्किलें ... 8 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | 5 स्तंभों पर आधारित 25 गारंटियों ...12 | देश/विदेश

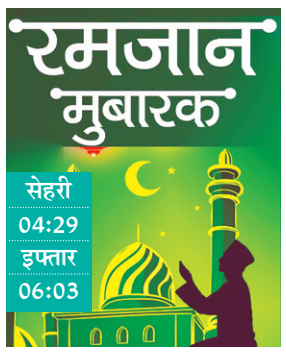

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें हमसे

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर 82925 53444 पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर 8292373444 संपर्क करें।

पलामू सर्राफा

सोना (10 ग्राम) 65,630
चांदी (किलो) 75,110

एक नजर

टीएसपीसी का उग्रवादी गिरफ्तार

रांची। पुलिस ने प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) के कमांडर राहुल गंझू उर्फ खलील दस्ता के एक उग्रवादी को गिरफ्तार किया है। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा को गुप्त सूचना मिली थी कि टीएसपीसी के कमांडर राहुल गंझू दस्ता सदस्यों के साथ सिरम जंगल में है। सूचना के बाद खलारी डीएसपी के नेतृत्व में बुढ़मू और ठाकुर गांव पुलिस और क्यूआरटी टीम ने उक्त क्षेत्र के छापेमारी की। छापेमारी के दौरान कमांडर राहुल गंझू जंगल का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा जबकि एक दस्ता सदस्य दिलेशर गंझू को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सर्च के दौरान पुलिस ने एक बाइक और एक मोबाइल जब्त किया है। फिलहाल गिरफ्तार उग्रवादी से पूछताछ की जा रही है।

आजकल

दिशोम गुरु की बड़ी बहू सीता सोरेन भगवा खेमे में, कहा

षड्यंत्र के तहत उन्हें और उनके परिवार को पार्टी और परिवार में अछूत बना दिया गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड के सबसे बड़े राजनीतिक परिवार का मंगलवार मंगलमय नहीं रहा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की बड़ी बहू व पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी सीता सोरेन ने मंगलवार को न सिर्फ झामुमो से इस्तीफा दे दिया बल्कि उन्होंने परिवार से भी अलग होने की घोषणा कर दी। ससुर शिबू सोरेन को लिखे पत्र में उन्होंने पार्टी और परिवार में उनके खिलाफ किए जा रहे साजिश का आरोप लगाया। कहा षड्यंत्र के तहत उन्हें और उनके निजी परिवार को पार्टी और परिवार में अछुत बना दिया गया था। ऐसे में वह पार्टी के अंदर घुटन महसूस कर रही थी। पार्टी से अलग होने की सूचना ससुर शिबू सोरेन को पत्र के माध्यम से देने के बाद उन्होंने नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी का दामन थाम लिया। झारखंड चुनाव प्रभारी और राज्यसभा सदस्य लक्ष्मीकांत वाजपेयी और पार्टी के महासचिव विनोद तावड़े ने उनका स्वागत किया।

सीता सोरेन ने अपने इस्तीफे में लिखा कि वह झारखंड मुक्ति मोर्चा की केंद्रीय महासचिव, सक्रिय सदस्य और वर्तमान विधायक हैं। वह अत्यन्त दुखी हृदय के साथ सभी पदों से अपना इस्तीफा पेश कर रही हैं। पार्टी और परिवार के सदस्यों की ओर से उन्हें अलग-थलग किया गया है, जो उनके लिए अत्यंत पीड़ादायक रहा है। बताया जाता है कि सीता सोरेन लंबे समय से पार्टी से नाराज चल रहीं थीं। उन्हें चंपाई सोरेन मंत्रिमंडल में भी जगह नहीं मिली थी, जिसका उन्होंने मुखर विरोध किया था।

विधानसभा की सदस्यता से दिया इस्तीफा

रांची। जामा विधानसभा क्षेत्र की विधायक सीता सोरेन ने मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर राज्य विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने लिखा है कि मैंने विभिन्न कारणों से झारखंड मुक्ति मोर्चा पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दिया है। सीता सोरेन ने लिखा है कि ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

झारखंड को झुकाना नहीं, बचाना है

सीता सोरेन ने कहा कि झारखंड को बचाने के लिए वह भाजपा में शामिल हुई हैं। उनके ससुर शिबू सोरेन और पति दुर्गा सोरेन की अगुवाई में अलग झारखंड राज्य की लड़ाई लड़ी गयी। अलग झारखंड राज्य बना लेकिन राज्य का अपेक्षित विकास नहीं हो पाया। आज देश की जनता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व पर भरोसा जाता रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड को झुकाना नहीं, बचाना है। सभी 14 सीटों पर कमल खिलेगा।

कौन है सीता सोरेन

सीता मुर्मू सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख शिबू सोरेन की बहू, पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और दिवंगत दुर्गा सोरेन की पत्नी हैं। झारखंड की जामा विधानसभा क्षेत्र से वह विधायक चुनी गईं थीं। पार्टी ने उन्हें राष्ट्रीय महासचिव के रूप में नियुक्त किया था। इसके बाद 2014 में उन्होंने दोबारा चुनाव लड़ा और उसी सीट से दोबारा विधायक बनीं। साल 2019 में जामा विधानसभा सीट से तीसरी बार विधायक चुनी गयी।

सीता सोरेन के पार्टी छोड़ने से पहले चम्पाई और कल्पना ने हेमंत से की मुलाकात

रांची। झामुमो विधायक सीता सोरेन के इस्तीफे से पहले मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन और कल्पना सोरेन ने पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की थी। दोनों मंगलवार को होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा पहुंचे और वहां न्यायिक हिरासत में चल रहे पूर्व मुख्यमंत्री सह पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन से मिलकर वर्तमान हालात पर चर्चा की। बताया गया है कि मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन की करीब 40 मिनट तक हेमंत सोरेन के साथ गुफ्तगू हुई। इसके कुछ देर बाद सीता सोरेन ने पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा पत्र शिबू सोरेन को सौंप दिया। इससे पहले 11 मार्च को भी खेलगांव में गुरुजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड और मानकी मुंडा छात्रवृति योजना के शुभारंभ से ठीक पहले मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन होटवार जेल जाकर हेमंत सोरेन से मिले थे।

पलामू रूट से वंदे भारत के संचालन को लेकर सांसद गंभीर

■ भाजपा के झारखंड प्रभारी सहित रेल मंत्री को कराया अवगत

मेदिनीनगर। सांसद वीडी राम ने कहा कि वे अपने संसदीय क्षेत्र पलामू के अंतर्गत आने वाले रूट से वंदे भारत ट्रेन के संचालन को लेकर पूरी तरह गंभीर हैं। इसको लेकर उन्होंने भाजपा के झारखंड प्रभारी डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी व रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भी क्षेत्र की आवश्यकता के साथ जन भावनाओं से अवगत करा चुके हैं। सभी जानते हैं कि पीएम मोदी के कार्यकाल में भारतीय रेल का कायाकल्प हो चुका है। पलामू संसदीय क्षेत्र का छोटा-बड़ा कोई भी स्टेशन ऐसा नहीं है। जहां विकास नहीं दिख रहा हो। जिन स्टेशनों पर रात तो दूर दिन में भी लोग जाने से कतराते थे। वहां भी अब सारी बुनियादी सुविधाएं हैं।

रांची-वाराणसी वंदे भारत का रूट पहले से तय था, बावजूद इसके मेरा प्रयास ट्रेन रुट लोहरदगा-टोरी कराना है। प्रमुख ट्रेन का संचालन इस रूट से कराने के लिये पूरी गंभीरता के साथ प्रयास किया जा रहा है। पार्टी के प्रदेश प्रभारी को रेल मंत्री ने भी आश्वस्त किया है कि भाजपा की सरकार गठित होते ही सप्ताह में तीन दिन डालटनगंज रूट से वंदे भारत का संचालन शुरू कराने की दिशा में पहल किया जायेगा।

एसीबी ने राजस्व उपनिरीक्षक और प्राइवेट अमीन को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

रांची। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने अनगड़ा के राजस्व उप निरीक्षक कुलदीप साहू और प्राइवेट अमीन प्रभु पाहन को दस हजार रुपये रिश्वत लेते मंगलवार को गिरफ्तार किया। एसीबी मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अनगड़ा निवासी मनोज मुंडा ने ब्यूरो को लिखित शिकायत की थी कि उसने 26 एकड़ 52 डिसमिल जमीन का पंजी टू में प्लाट चढ़ाने के लिए अनगड़ा अंचल में ऑनलाइन आवेदन किया था। इसके लिए वह राजस्व उपनिरीक्षक कुलदीप साहू से मिले। कुलदीप साहू ने कहा कि एक हजार रुपये प्रति डिसमिल के हिसाब से खर्चा लगता है। तुम एक लाख रुपये दे दो। इसके बाद ब्यूरो ने इंस्पेक्टर जगन्नाथ धान से मामले की जांच कराई।

गांवों में चहक रहीं गौरैया, संरक्षण की जरूरत

गौरैया दिवस पर विशेष

आंध्रा विश्वविद्यालय के एक अध्ययन के अनुसार गौरैया की संख्या में 60 प्रतिशत तक कमी आयी है। यदि ध्यान नहीं दिया जाये तो जल्द ही यह विलुप्त होने की कगार पर पहुंच जायेंगी।

संजय कुमार पांडेय

मेदिनीनगर। बचपन की सबसे सुखद स्मृतियों में गौरैया जरूर आती है, क्योंकि सबसे पहले बच्चा इसी चिड़िया को पहचानना सीखता है। पहले गांव पड़ोस के लगभग हर घर में इनका घोंसला होता था। आंगन में या छत की मुंडेर पर वे दाना चुगती थीं। बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर ये झुंड के झुंड फुदकती रहती थीं। लेकिन प्राचीन काल से ही हमारे उल्लास, स्वतंत्रता, परंपरा और संस्कृति की संवाहक गौरैया आज संकट में है। संख्या में लगातार गिरावट से इनके विलुप्त होने का खतरा मंडराने लगा है। हालांकि अंधाधुंध शहरीकरण के इस दौर में शहर से भले ही गौरैया गायब होती जा रही है, लेकिन गांव के घरों में इनकी चहचहाहट आज भी बरकरार है। गांव के कच्चे घरों के अलावे वैसे पक्के घरों जिनके रोशनदानो में घोसला लगाने की जगह है और आसपास पेड़ पौधे हैं, वहां इन दिनों शाम सुबह चहकती गौरैया फुदकती जरूर नजर आती है। वर्तमान समय में मादा गौरैया अंडे देकर उसे सेवने में जुटी है और मादा गौरैया घोंसला बनाने से लेकर बच्चे को पालने तक साथ देता नजर आ रहा है। बस आंगन में चहकने-फुदकनेवाली वाली इन गौरैया के ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

झारखंड हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, झारखंड सरकार प्रमोशन में अब नहीं दे सकेगी आरक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंड हाई कोर्ट ने प्रमोशन में आरक्षण के खिलाफ दायर एक मामले में बड़ा फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि आज से प्रमोशन में आरक्षण झारखंड सरकार नहीं दे सकती है। जब तक की झारखंड सरकार सुप्रीम कोर्ट के जरनैल सिंह जजमेंट 1, 2 एवं एम. नागराज के केस में दिए गए दिशा-निर्देश के आलोक में नयी नियमावली नहीं बनाती। एक्टिंग चीफ जस्टिस एस. चंद्रशेखर और जस्टिस नवनीत कुमार की खंडपीठ में इस मामले की सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से हाई कोर्ट में याचिका दाखिल कर कहा गया था कि झारखंड सरकार का 31 मार्च 2003 का संकल्प गलत है क्योंकि इसमें सुप्रीम कोर्ट के एम. नागराज जजमेंट एवं जरनैल सिंह जजमेंट में जो गाइडलाइन दिया गया था उसका पालन नहीं किया गया है। अदालत ने 2003 से लंबित इस याचिका को मंगलवार को निष्पादित कर दिया। अपने फैसले में अदालत ने कहा है कि झारखंड सरकार का 31 मार्च 2003 का संकल्प अब प्रभावी नहीं होगा। जब तक नियमावली, गाइडलाइन, एग्जिक्यूटिव इंस्ट्रक्शन सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट एम. नागराज एवं जनरैल सिंह जजमेंट 1 व 2 के आलोक में नहीं लाए जाते। वर्ष 2003 में राज्य सरकार ने सड़क निर्माण विभाग ▸▸शेष पृष्ठ 11 पर

झारखंड के राज्यपाल को मिला तेलंगाना और पुदुचेरी का अतिरिक्त प्रभार

रांची। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को तेलंगाना राज्य और केन्द्र शासित पुदुचेरी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। राष्ट्रपति ने दोनों जगहों के लिए नियमित व्यवस्था होने तक कार्यों का निर्वहन करने के लिए उन्हें नियुक्त किया है। राष्ट्रपति भवन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। इसमें यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति नियमित व्यवस्था होने तक अपने कर्तव्यों के अलावा तेलंगाना के राज्यपाल और केन्द्र शासित पुदुचेरी के उपराज्यपाल के कार्यों का निर्वहन करने के लिए झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को नियुक्त किया है। उल्लेखनीय है कि तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। सौंदर्यराजन के पास पुडुचेरी के उपराज्यपाल का भी प्रभार था।

चुनाव आयोग ने 24 घंटे के अंदर बंगाल के डीजीपी को फिर बदला

कोलकाता। भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल में विवेक सहाय को डीजीपी के रूप में नियुक्ति के महज 24 घंटे के भीतर ही उन्हें पद से हटा दिया। विवेक सहाय को राजीव कुमार की जगह बंगाल का नया डीजीपी नियुक्त किया गया था। मंगलवार को एक नई अधिसूचना जारी की गई जिसके तबत सहाय की जगह 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय मुखर्जी लेंगे। मुखर्जी फिलहाल अग्निशमन और आपातकालीन सेवा विभाग के महानिदेशक हैं। सोमवार को, चुनाव आयोग ने राजीव कुमार को हटाने का आदेश दिया था। इसके बाद आयोग ने राज्य सरकार से उसके बदले तीन नाम मांगे थे। राज्य सरकार ने विवेक सहाय (1988 बैच), संजय मुखर्जी (1989 बैच) और राजेश कुमार (1990 बैच) की सिफारिश की थी। वरिष्ठता के आधार पर आयोग ने सहाय की नियुक्ति का आदेश जारी कर दिया। हालांकि, इससे पहले कि वह 24 घंटे पूरे कर पाते, उनकी जगह मुखर्जी को नियुक्त कर दिया गया। सूत्रों ने बताया कि सहाय इस साल मई में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जबकि बंगाल में चुनाव का अंतिम चरण 1 जून को है। कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ₹इसलिए, आयोग ने इस पद पर किसी ऐसे व्यक्ति को नियुक्त करना उचित समझा जो चुनाव की शुरूआत से लेकर अंत तक पद पर बना रह सके।

झारखंड की गृह सचिव बनीं वंदना डाडेल

रांची। वंदना डाडेल झारखंड की नई गृह सचिव बनाई गई हैं। इस संबंध में कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग ने मंगलवार को अधिसूचना जारी कर दी। यह फैसला निर्वाचन आयोग की सहमति के बाद लिया गया। वंदना डाडेल वन एवं पर्यावरण विभाग की सचिव के साथ मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग में भी प्रधान सचिव के प्रभार में हैं। वह 1996 बैच की आईएएस हैं। उल्लेखनीय है कि सोमवार को निर्वाचन आयोग ने झारखंड के गृह सचिव अरवा राजकमल सहित पांच राज्यों के गृह सचिवों को हटा दिया था। आयोग ने राज्य सरकार से गृह सचिव के लिए तीन अफसरों के नाम मांगे थे। इसके बाद राज्य सरकार ने वंदना डाडेल, अबु बकर सिद्दिकी और मनीष रंजन के नाम प्रस्तावित किए थे।

इंडिया

अब तक सबसे महंगा चुनाव मतदान प्रतिशत बढ़ा पाएगा?

सुनील बादल

चुनाव आयोग, सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज के अनुसार 2024 के चुनावी खर्च का अनुमान है कि यह सबसे महंगा चुनाव होगा जिसमें बूथों में सारी सुविधाएं उपलब्ध कराकर वोटरों को यह संदेश देना है कि असुविधा के कारण कोई वोटर बूथ में जाने से हिचके नहीं । प्रति मतदाता खर्च रुपये में इस कारण रिकॉर्ड वृद्धि हुई है पर क्या रिकॉर्ड मतदान सुविधाएं बढ़ाकर होगा ? क्योंकि कुछ वोटर सुविधाओं की कमी से नहीं जाते पर मतदान का प्रतिशत कम होने के अन्य कई कारण भी हैं ।मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव की घोषणा करते हुए कहा था कि इस बार हर बूथ पर महिला और पुरुष के लिए शौचालय, दिव्यांगों के लिए रैंप और पीने के पानी जैसी आवश्यक हर सुविधा भारत के चारों कोने में चाहे वो कितने भी सुदूरवर्ती इलाके हों उपलब्ध कराई जाएगी। घर बैठे 85 वर्षीय बुजुर्ग और 60 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग को वोट दिलाना भी अत्यंत खर्चिला है और अनेक स्थानों पर हेलिकॉप्टर या चार्टर्ड प्लेन के उपयोग से चुनाव बहुत ही महंगा साबित होने वाला है। विचारणीय यह है कि क्या सुविधाओं की कमी के कारण लोग कम वोट देने जाते हैं? या रोजी रोजगार की तलाश में बहुत बड़ी संख्या में स्थायी और अस्थायी जो पलायन होता है।उससे गांव के गांव या कस्बे खाली हो जाते हैं और उसमें से कम लोग ही ऐसे होते हैं जो चुनाव के समय अपनी जिम्मेदारी समझते हुए गांव वापस लौट पाते हैं। यह एक बड़ा कारण है, खास तौर पर झारखंड में। जिसके कारण मतदान का प्रतिशत कम हो जाता है। और कई बार बहुत सारे लोग अपनी सक्रियता से या पार्टियों की सक्रियता से वोट का प्रतिशत अपने अपने हिस्से के लिए बढ़ाते हैं जिससे मतदान प्रभावित होता है। जबकि परिणाम देखकर यह लगता है कि जनता ने किसी एक खास पार्टी या विचारधारा को चुना है जबकि यह बूथ मैनेजमेंट कहा जाता है। कार्यकर्ता घर घर पर्ची पहुंचाकर अनुनय विनय कर उन्हें प्रेरित कर बूथ तक ले जाते हैं यह सिलसिला विरोधी समझे जाने वाले वोटरों के पास नहीं की जाती है। इसपर भी चुनाव आयोग को विचार करना चाहिए।18वीं लोकसभा के लिए हो रहा चुनाव पूरी प्रक्रिया के हिसाब से ही नहीं, मतदाता पर होने वाले खर्च के हिसाब से भी सबसे महंगा चुनाव होने वाला है। इस बार 96.88 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। विशेषज्ञों के अनुसार सुचारु रूप से मतदान कराने पर इस बार भारत सरकार करीब 24 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इस लिहाज से हर मतदाता पर करीब 243 रुपये खर्च होने का अनुमान है।अब बात पहले आम चुनाव 1952 की करें, तो 17.32 करोड़ लोगों ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। कुल 10.45 करोड़ रुपये खर्च हुए और हर मतदाता पर 60 पैसे की लागत आई। सेंटर फॉर मीडिया स्टडीज (सीएमएस) के अनुसार, 2019 के आम चुनावों में सरकार ने करीब 12 हजार करोड़ रुपये खर्च किए और हर मतदाता पर 93 रुपये खर्च हुए।आंकड़ों पर नजर डालें, तो शुरू के छह आम चुनावों में प्रति मतदाता लागत एक रुपये से भी कम थी। मगर, बढ़ती महंगाई और रुपये के कमजोर होने से हर बार चुनाव के खर्च में बेतहाशा वृद्धि होती है। चुनाव आयोग हर साल मतदाता जागरूकता अभियान, वोटर कार्ड बनाने से लेकर ईवीएम के रखरखाव पर बहुत खर्च करता है। 2014 में पहली बार मतदाता सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) का उपयोग किया गया, इस वजह से भी लागत में वृद्धि हुई। लोकसभा चुनाव पर होने वाला पूरा खर्च भारत सरकार वहन करती है, जबकि कानून-व्यवस्था बनाए रखने का खर्च संबंधित राज्य सरकारों की ओर से वहन किया जाता है।

पलामू में धारदार हथियार से प्रहार कर महिला की हत्या

चेन्नई रहता है पति, घटना के समय पुत्र गया था नमाज पढ़ने

नवीन मेल संवाददाता

ऊंटारी रोड। थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिंदुआ निवासी कुदूस अंसारी की 30 वर्षीय पत्नी सहाना बीबी की सोमवार की रात अज्ञात अपराधियों ने धारदार हथियार से हत्या कर दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर रामाशीष पासवान और ऊंटारी रोड थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने घटना की जानकारी ली। मिली जानकारी के अनुसार घटना के वक्त मृतका अपने घर में अकेली थी। पति चेन्नई में कार्य करते हैं। जबकि घटना के समय पुत्र मस्जिद में नमाज पढ़ने गया था। मस्जिद से वापस आने पर घर में अपनी मां को खून से लथपथ जमीन पर पड़ा देख उसने पड़ोसियों को जानकारी दी। सूचना पाते ही वहां भारी भीड़ जुट गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर अंत्यपरीक्षण के लिये मेदिनीनगर भेजवाया। थाना प्रभारी ने बताया कि फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस सभी बिन्दुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही खुलासा कर हत्यारों को गिरफ्तार किया जाएगा।